

I

14 'सीमान' शब्द का स्त्री लिंग रूप है -

-> 14 सीमती

24

निम्नलिखित शब्दों में बहुवचन रूप है -

-> 24 चीजें

34

'खरीदना' शब्द का विलोम रूप है -

-> 34 बेचना

44

'धोना' शब्द का प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया रूप है -

-> 44 धुलाना

54

'सदाचार' शब्द में संधि है -

-> 54 दीर्घ संधि

64

'सब मन लगाकर पंड परीक्षा निकट आ गयी है' इस वाक्य के लिंग उपसुक्त विराम चिह्न

64 पूर्ण विराम

74

'दोपहर' शब्द में समास है -

74 द्विगु समास

84

राम का माता को सल्ला थी, विक स्यान में निम्न कारक आता है -

-> 84 की

II

94

गौ लगुंबज : वास्तुकला :: बेहर मंदिर : शिल्पकला

104

काला नाग : पर्वत :: गंगोत्री : जल

114

गाँधीजी : काराप्रपिता :: अबुल कलाम : राष्ट्रपति

(12) सूरदास : कृष्ण भक्ती शाय्या ; तुलसीदास
राम भक्ती

III

134 प्रेमचंद जी का जी क्वां ललचा उठा ?
-4 रंगविरागी मुलावी देखकर प्रेमचंद जी का
जी ललचा उठा

144 गिलहरी का प्रिय खाद्य क्या था ?
-4 गिलहरी का प्रिय खाद्य काजु था।

154 भारत भूमि के अंदर क्या-क्या मरा हुआ
है ?

-4 भारत भूमि के अंदर खनिज संपत्ती मरा हुआ
है।

164 पशोदा और नंद का रंग कैसा था ?
-4 पशोदा और नंद का रंग धोरा था।

IV

174 दुकानदार ने लेखक से क्या कहा ?
-4 दुकानदार ने लेखक से शाशुजी बड़े मजदूर
सेब आर्डि है। खाम कशमीरी के आप
ने जाओ खायर तबियत खुश हो जायगा।

184 औनुलाब्दी नमाज़ के बारे में क्या कहते
हैं ?

-4 औनुलाब्दी नमाज़ के बारे में अब्दुल कलाम
जी से कहते हैं कि जब तुम नमाज़ पढ़ते
हैं तब तुम अपना शरीर से एक छे इतर
ब्रह्म का राक हिस्सा बन जाते हैं जिससे
दौलत आयु जति का कोई शकभाव
नही होता।

196

वसंत राजकिशोर के पास क्या नहीं लाता?

= 6

वसंत ने राजकिशोर के पास नहीं लाया क्योंकि जब वह उनके द्वारा दिया गया नाट को बुनाकर ला रहा था तो एक मोटर कार उसके पैरों के ऊपर से निकल गई और वह बे होश हुए।

206

कानटिक के प्रमुख नदियाँ और जल प्रपात कौन कौन सा हैं?

कानटिक में कावेरी, कृष्णा, तुंगा मद्र आदि बड़ी बड़ी नदियाँ बहती हैं जिन पर बांध बनाए गए हैं हजारों टाकर जमीन को इनसे पानी मिलता है। उस इन नदियों के जलाशय से ऊर्जा प्राप्त करते हैं।

यह के प्रमुख जल प्रपात जोम, अब्बी ब्री काक शिवनसमुद्र हैं।

216

भारत माता का स्वरूप कौसे सुशोभित है?

मातृभूमि अपने प्राकृतिक दृश्य में न्याय का झंडा और हमारे में जान का दीप लिए सबको सहि शास्त्र पर चलने को प्रेरित कर रही है। उसके हृदय में अनेक महान विभूतियों महात्मा गांधी, बुद्ध और राम का वास है। वह अपनी गोद में पल रहे बच्चों को पस्पर सहयोग से रहने के लिए प्रेरण दे रही है।

226

अपने माता पशोदा के प्रति कुष्ण नाराज होने का कारण क्या है?

पराीदा पर इसलिये नाराज है कि बलराम सदैव अन्य बाल बाल के साथ मिलकर उनके सातों और चिडाते हैं। यह सब जानते हुना ली पराीदा बलराम को कुछ ली नही कहती है। और नाही उसपर कोद करती है।

238 शानि का उपग्रह 'टाइटान' का बारे में आप क्या जानते हैं ?

= 6 शानि का सबसे बडा चंद्र टाइटान सान-मंडल का सर्वाधिक महत्वपूर्ण और दिलचस्प उपग्रह है। टाइटान हमारे चंद्र से भी काफी बडा है। इसका व्यास 5150 किलोमीटर है। कुछ साल पहले तक टाइटान को ही सौर-मंडल का सबसे बडा उपग्रह सोचें ~~संझल~~ समझा जाता था। अब वाष्पजल मान की खोजबीन से पता चला है कि बृहस्पति का गैनीमीड उपग्रह सौर-मंडल का सबसे बडा उपग्रह है।

अपवा

शानि एक उत्तम ठंडा ग्रह है ? क्यों

- 6 शानि ग्रह, सूर्य से पृथ्वी की अपेक्षा 10 गुना अधिक दूर है। उस ग्रह तक इसी कारण बहुत कम सूर्य ताप पहुँचता है। शानि ग्रह का तापमान शून्य के नीचे 150° सेल्सियस के आसपास होता है।

244 सत्य क्या होता है ? इसका रूप कैसा होता है ?

= ६ सत्य बहुत मोला - मोला, बहुत ही सीधा - सादा जो कुछ भी अपनी आँखों से देखा नमक मिच लगाय बोल दिया - यही सत्य है। सत्य दृष्टि का प्रतिबिंब है, ज्ञान का प्रतिलिपि है, अत्मा की वाणी है।

अपरा
संसार के महान व्यक्तियों ने सत्य का सहारा लिया है। सोदाहरण समजाइया।

- ६ संसार में जितने महान व्यक्ति हुए, सबमें सत्य का सहारा लिया है। सत्य का पालन किया है। राजा हरिश्चंद्र की सत्यनिष्ठ चर्चने अनेक कारिनाइयों का सामना करना पड़ा, लेकिन उनकी कीर्ति आज भी सुरज की रोशनी से कम प्रकाशमान नहीं है। राजस्था ने सत्य वचन निशान के लिए अपने प्राण त्याग दिया। महान्म गांधी ने सत्य की शक्ति से ही विदेशी शासन को जकड़ार दिया।

१२५५ गिल्लू के कार्यक्रमाप के बारे में लिखिए।

- ६ लखिका का ध्यान अवर्षित करने के लिए गिल्लू उनके पैर तक आकर सर से पैर पर चढ़ता उतरता है। अथ कान पर चिक चिक की आवाज करता है।

वर्षों तक गिल्लू उस में रहा। बड़ा स्वयं हिला कर अपने घर में झूलता और कामक्रमापों पर सबको आशय होता था। बड़ खिडकी की खुली जाली की छत से बाहर चला जाता और दिन भर गिल्लूरियों के झुंड का नेता बना हर डाल पर उछलता कूदता रहता और ठीक ५:०० बजे खिडकी से नीचे आकर अपने झूल में झूलने लगता।

264 बसंत राक इमानदार लड़का है। कैसे?

→ बसंत स्वमिमान और इमानदार लड़का था। वह महुनीय से पैसे कमान चाहता था। इसलिए उसने पंडित राजकिशोर से दया की मीठी लीने में हुनकार किया। जब वह नोट भुनान गया तब लौटने समय मोटर के नीचे आ गया और बुरी तरह से घायल होने पर भी वह अपने माई प्राणों को पैसे लौटने पंडित राजकिशोर के पास भेजता है।

265 लेखक को राज राय निमंत्रण पत्र में क्या-क्या लिखा गया था? स्पष्ट कीजिए।

→ लेखक को राज राय निमंत्रण पत्र में यह लिखा था कि इस लीम इस शहर से राक इमानदार सम्मेलन कर रहे हैं। आप देश के प्रसिद्ध इमानदार हैं। हमारी प्रार्थना है कि आप इस सम्मेलन का उद्घाटन करें। हम आपके किराआ आन जान का किराआ आवाज भोजन आदि की उनमें व्यवस्था करेंगे। आपके आगमन से इमानदारों तथा उदीयमान इमानदारों की बड़ी प्रेरण मिलेगी।

266 विछेंद्री पत्त न पहाड पर चढ़ने कि उधारि किस प्रकार की?

विछेंद्री ने पहाड पर चढ़ने की तैयारी इस प्रकार की कर्मि खुल्लर ने साउपकाल तक ही चढाई के लिए तीन शिखर देना के दो समूह बना दिया

वह स्वयं चार बजे उठ गई वफा विद्याला
 -ई गई और चाई बनाई। कुछ
 विस्कर और आधी चाँकलेट का टुकड़ा
 नारता करत के पर-चातु वह लामिमा
 साठ पांच बजे अपने नख से
 निकल पडी।

296 कन्नड भाषा तथा संस्कृति को कन्नटक
 के साहित्यकारों की देन क्या है?

कन्नटक के साहित्यकारों ने सारे संसार
 में कन्नटक की कीर्ति फैलाई है। वचनकार
 बसवण्णा कान्तिकी समाज सुधारक थे।
 अक्कनहादेवी, अल्लमप्रभु, सर्वज्ञ अपने
 अनमोल रचनाओं द्वारा प्रेम, दया और
 धर्म का सीख दी है। पुरंदरदास कबकदास
 आवि मन्न कवियों ने शक्ति, नीति, सदाचार
 के गीत गाये हैं। पंप रत्न, कुमारव्यास
 हरिहर, शशवांक आवि ने महान कार्यों की
 रचना कर कन्नड साहित्य तथा संस्कृति
 को समृद्ध बनाया है।

306 कवि दिनकरजी की दृष्टि में मानव की भौतिक
 साधनाएँ कौन-कौन सी हैं?

दिनकर जी के अनुसार जितनी भी भौतिक
 प्रमत्ती प्राप्त करना पड़े उसका परिचय नहीं
 उसका सही परिचय है कि वह मनुष्य
 के हृदय पर जीत प्राप्त कर तथा मानव से
 मानव के बीच जो खकावट द्वेष दूरियाँ
 हैं उन्हें मिटाएँ। तभी वह ज्ञानी तथा
 विद्वान कहलाएगा।

318 समय का सदुपयोग कैसे करना चाहिए?

-4 समय का सदुपयोग का मतलब है सही समय पर सही काम करना। समय बहुमूल्य सब उपयोगी होता है। समय का मूल्य जितने समय जितना बड़ी व्यक्ति अपने काम में सफल हो सकता है। इसलिए आलस को छोड़कर बिना किसी बहाने के काम को समय पर ही पूर्ण करना चाहिए कम के ऊपर नहीं छोड़ना चाहिए किसी को पता नहीं कि कम आराम या नहीं।

324

दया धर्म का मूल है, पाप मूल अधिमान।
तुलसी दया न छोड़िये, जब लस घट में प्राण।

प्रसून दाह में तुलसीदास ने स्पष्ट बताया है कि दया धर्म का मूल है और अधिमान पाप का। इसलिए कवि कहते हैं कि जब तक शरीर में प्राण है, तब तक मानव को अपना अधिमान छोड़कर दयालु बन रहना चाहिए।

334

कन्नड़ में कन्नड भाषा बोली जाती है और इसकी राजधानी बंगलूर है। यह देश-विदेश के लोग आकर बस गए हैं।

कन्नड़ एक बहुत ही पुराना भाषा है जो बहुत ही पुराने लोगों के द्वारा बोलनी शुरू की गई। इस भाषा की विशेषता यह है कि यह एक बहुत ही पुराने भाषा है।

VI

Q 348 सोशियल नेटवर्किंग का कांतीकारी खास है। कैसे?

-4 सोशल नेटवर्किंग की फेसबुक अस्कूट आदि साइट्स हैं। यह दुनिया भर के लोगों को एक जगह पर ला खड़ा विधा है। इस साइटों से देश विदेश के लोगों के रहना-रहना खान-पान वेशभूषा संस्कृति कला आदि का प्रभाव समाज पर रहा है।
कैसे?

उपरोक्त

इंटरनेट आधुनिक जीवनशैली का महत्वपूर्ण अंग बन गया है। कैसे?

-4 इंटरनेट द्वारा घर में बिना ज्यादा खर्च किए कोई भी विचार हो, स्विच चित्र हो, विडियो चित्र हो दुनिया में किसी भी कोन में मंजूर मुमकिन हो गया है। इंटरनेट आधुनिक जीवनशैली का महत्वपूर्ण अंग बन गया है। शायद इसके बिना संचार व सूचना दोनों ही क्षेत्र ठप पड़ जाते हैं। व्यापार में इंटरनेट द्वारा घर बैठे-बैठे खरीदारी कर सकते हैं। कोई भी बिल भर सकते हैं। बैंकिंग में इंटरनेट द्वारा दुनिया की किसी भी जगह पर चाहे पिन कोड भी रकम भेजी जा सकती है।

356 जब तक न सफल हो, नींद चैन को चांगो तुम संघर्ष का मैदान छोड़कर मत भागो तुम। कुछ किरा बिना ही जप-जपकार नहीं होती। कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।

कन्नटक की जीवनदी को लोग "दक्षिण की गंगा" कहते हैं। कन्नटक की जीवनदी का मूल नाम कावेरी है। यह प्राचीन तथा पवित्र नदी है। इसका पानी बहुत मीठा होता है। यह नदी कन्नटक के कोडगु जिले में तलकाडु नामक जगह से इसका उद्गम स्थान है।

Q. कन्नटक की जीवनदी का मूल नाम क्या है ?
 -> कन्नटक की जीवनदी का मूल नाम 'दक्षिण की गंगा' कहते हैं।

Q. कावेरी का उद्गम स्थान कहाँ है ?
 -> कावेरी कन्नटक के कोडगु जिले में तलकाडु नामक जगह से इसका उद्गम होता है।

Q. कावेरी नदी को लोग क्या कहते हैं ?
 -> कावेरी नदी को कन्नटक का जीवनदी कहते हैं।

Q. कावेरी नदी का पानी कैसा होता है ?
 -> कावेरी नदी का पानी मीठा होता है।

III
 च वन महोत्सव :-

वन महोत्सव

1. विषय प्रवेश :-

* आदिकाल से मनुष्य प्रकृति की गोद पाला-पोसा बड़ा हुआ है। मानव का जीवन वनों पर आश्रित हुआ है।

* मनुष्य को वनों से अप्रत्यक्ष दोनों प्रकार से लाभ है। विभिन्न जड़ी-बूटियों, सुगंधित पदार्थ बनाने के साधन और कामज का सामान सभी वनों से मिलते हैं।

2. वृक्षों का उपयोग

* प्रकृतिक सौंदर्य और पर्यावरण का आधार वन ही है। वन वर्षा में सहायक होते हैं तथा वायु को शुद्ध करते हैं। वन पृथ्वी को हरा-भरा, सुंदर और आकर्षक बनाने में वृक्षों का बड़ा योगदान है।

* बढ़ते हुए फैरान के कारण वनों की कटाई अधिक होती जा रही है। जनसंख्या वृद्धि के कारण भी वनों का नाश होता जा रहा है।

3. उद्देश्य :-

* प्रति वर्ष जुलाई के प्रथम सप्ताह में वृक्षारोपण कार्यक्रम किया जाता है।

* वन महोत्सव के कारण धीरे-धीरे वृक्षों की संख्या में वृद्धि होने लगी है।

* वन महोत्सव मास और वन महोत्सव सप्ताह के नाम से पूरे देश में वृक्षों को लगाया जा रहा है।

4. उपसंहार :-

* वृक्षों को लगाने से वनों में बढ़ोतरी होती है। आज अनेक सामाजिक संस्थाएँ वृक्षारोपण के लिए की कार्यक्रम कर रही हैं।

* वन-जामृति से यह आशा कर सकते हैं कि हमारी धरती फिर से हरी-भरी हो जायेगी।

IX

388

प्रेषक

तेजस्वी . भास

10वी कक्षा आग विभाग

सरकारी हाईस्कूल

चित्रदुर्ग

दिनांक : 8-5-2020

सेवा में

प्रधानाध्यापकजी

सरकारी हाईस्कूल

चित्रदुर्ग

आदरणीय महोदय

विषय : छुट्टी के लिए प्रार्थना पत्र

उपर्युक्त विषय के संबंध में मैंने मेरी
अस्वस्थता के कारण, मैं विद्यालय आने में
असमर्थ हूँ। अतः आज दिनांक 8-05-2020
से 10-5-2020 तक राक दिन की छुट्टी देने
की कृपा करें।

शुभंभव

आप का आज्ञाकारी

छात्र

तेजस्वी . भास